प्रारम्भिक संबोधन

माननीय सदस्यगण,

षोडश बिहार विधान सभा के अष्टम् सत्र में मैं आप सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ ।

इस सत्र में कुल- 05 (पाँच) बैठकें निर्धारित है । इसमें वित्तीय वर्ष 2017-18 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरण एवं राजकीय विधेयकों का व्यवस्थापन होगा । इसके अलावा सदस्यों के गैर सरकारी कार्य यथा गैर सरकारी संकल्प इत्यादि लिये जाएंगे ।

संसदीय प्रणाली सही मायने में लोकतांत्रिक मूल्यों के संपोषण एवं संवर्धन हेतु सबसे उपयुक्त है । अभी हाल में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की बैठक में भाग लेने के क्रम में कुछ देशों की विधायिका एवं शासकीय प्रणाली की अध्ययन यात्रा के दौरान भी मुझे यह प्रतीत हुआ । पूरे विश्व में जनता के द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के माध्यम से चलने वाले शासन प्रणाली को ही उत्कृष्ट माना गया है । इस सिलसिले में अपने यहाँ की जनतांत्रिक प्रणाली एवं व्यवस्था की सर्वत्र सराहना है ।

आपको यह जानकर खुशी होगी कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के भारत प्रक्षेत्र का अगला सम्मेलन दिनांक 16 से 19 फरवरी, 2018 तक पटना में होना तय हुआ है । इसके आयोजन से पूरे देश के जनप्रतिनिधियों को बिहार के ऐतिहासिक एवं गौरवशाली इतिहास एवं परंपरा को नजदीक से देखने एवं प्रगतिशील बिहार को जानने का अवसर प्राप्त होगा । इस सम्मेलन का सफल आयोजन बिना आपके सहयोग के नहीं हो सकता है । अतः आपका सक्रिय सहयोग अपेक्षित है ।

यह सभा जनता द्वारा चुने जनप्रतिनिधियों का सर्वोच्च सदन है एवं अर्थपूर्ण विमर्श से जनहित साधना इसका लक्ष्य है । इसे हम सभी अनुशासित एवं मर्यादित आचरण से प्रभावकारी बना सकते हैं ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि वर्त्तमान सत्र के दौरान सदन के सफल संचालन में आपका सकारात्मक सहयोग प्राप्त होगा ।

❄❄❄❄❄